Regarding development of Meera Samriti Sansthan at Chittorgarh

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी **(**चित्तौड़गढ़**) :** सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार को टूरिज्म कल्चर मंत्रालय की स्वदेश योजना और हृदय दर्शन योजना के अंतर्गत ऐसे स्थान हैं जो वीरता और शौर्य से जाने जाते हैं और धार्मिक स्थान हैं । ऐसे स्थानों को डेवलप करने का काम हुआ । भारत सरकार मीरा बाई जी के 525 वें जन्मोत्सव को पूरे देश में धूमधाम से मना रही है । मीरा बाई से चार स्थान जिनसे उनका रिश्ता जुड़ा है मेड़ता जहां उनका जन्म हुआ, चित्तौड़ जहां उनका विवाह हुआ, वृंदावन और द्वारका जहां वे भगवान श्री कृष्ण में समा गई थीं । मेरी सरकार से मांग है कि आने वाले समय में देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में रिसर्च चल रही है और चितौड़ एक ऐसा स्थान है जहां विश्व की सबसे बड़ी लाइब्रेरी बनी हुई है और मीरा स्मृति संस्थान चित्तौड़ इस विषय में कार्यक्रम कराता है । मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि भारत सरकार को पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ में चूंकि मीरा संस्कृति संस्थान के पास जमीन भी है और उस संस्थान को इस योजना में लेकर डेवलप किया जाए ताकि देश और दुनिया के लोग इस संस्थान पर आकर मीरा दर्शन की अनुभूति कर सकें । धन्यवाद ।